विश्व पुस्तक दिवस

कामयाबी जल्दी कार्य करने से नहीं लगातार मेहनत करने से मिलती है

हिन्दी विभाग के 'हिन्दी सृजन मंच' की ओर से 'पृष्ठ स्मृति' (Book Mark) लेखन प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन किया जा रहा है। प्रतिभागी स्वेच्छा से कोई एक श्रेष्ठ स्लोगन, दोहा अथवा कोई काव्य-पंक्ति लिखकर एक-एक 'पृष्ठ-स्मृति' बनाएँ तथा pggc.hindi@gmail.com पर 2 फ़रवरी तक भेजें।

जितना कठिन संघर्ष होगा
जीत उतनी ही शानदार होगी
YASH

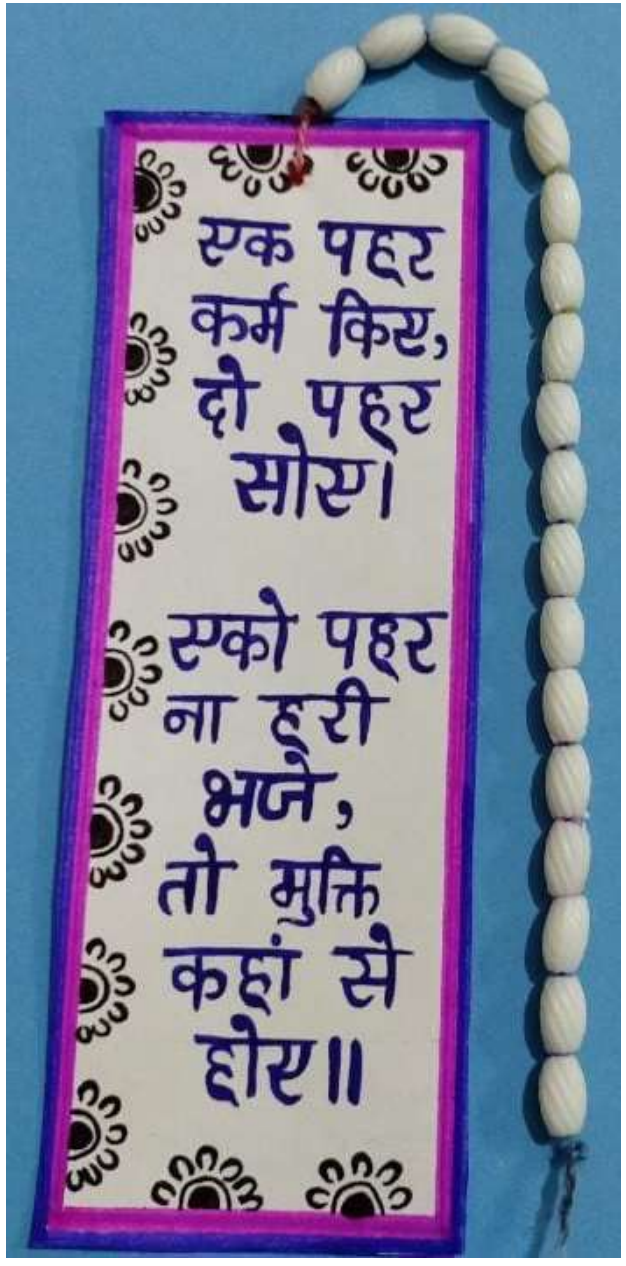
एक पहर कर्म किए, दो पहर सोए।
स्को पहर ना हरी भजे, तो मुक्ति कहां से होए॥

रहिमन पानी राखिये बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै मोती मानस चून।

कमियां तुम्हारे कर्म में अक्सर ये दुनिया ढूंढती।
हठ त्यागकर स्वीकार लो साधिकता कदम है चूमती।
Name- Nikhil
Class- B.A.-2
Roll no- 5123/19

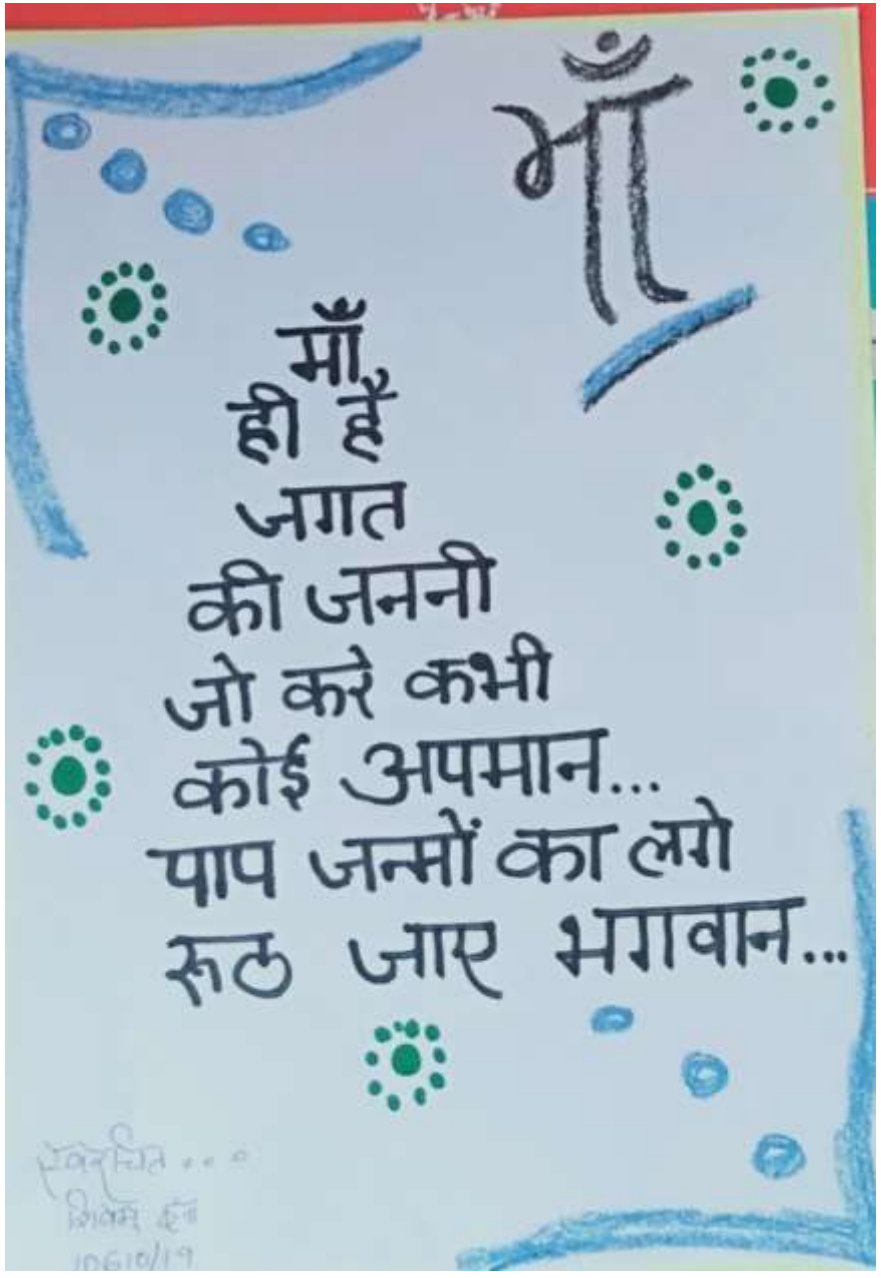

माँ
माँ ही है जगत की जननी
जो करे कभी कोई अपमान...
पाप जन्मों का लगे
रूठ जाए भगवान...
स्वरचित...
10/10/19

मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई।
जाके सिर मोर मुकट मेरो पति सोई॥

धीरे धीरे रे मना
धीरे सब कुछ होय
माली सींचे सौ घड़ा
ऋतु आए फल होय
Name- Priyanka,
Class - MA Hindi IInd
Rollno- 1605/19

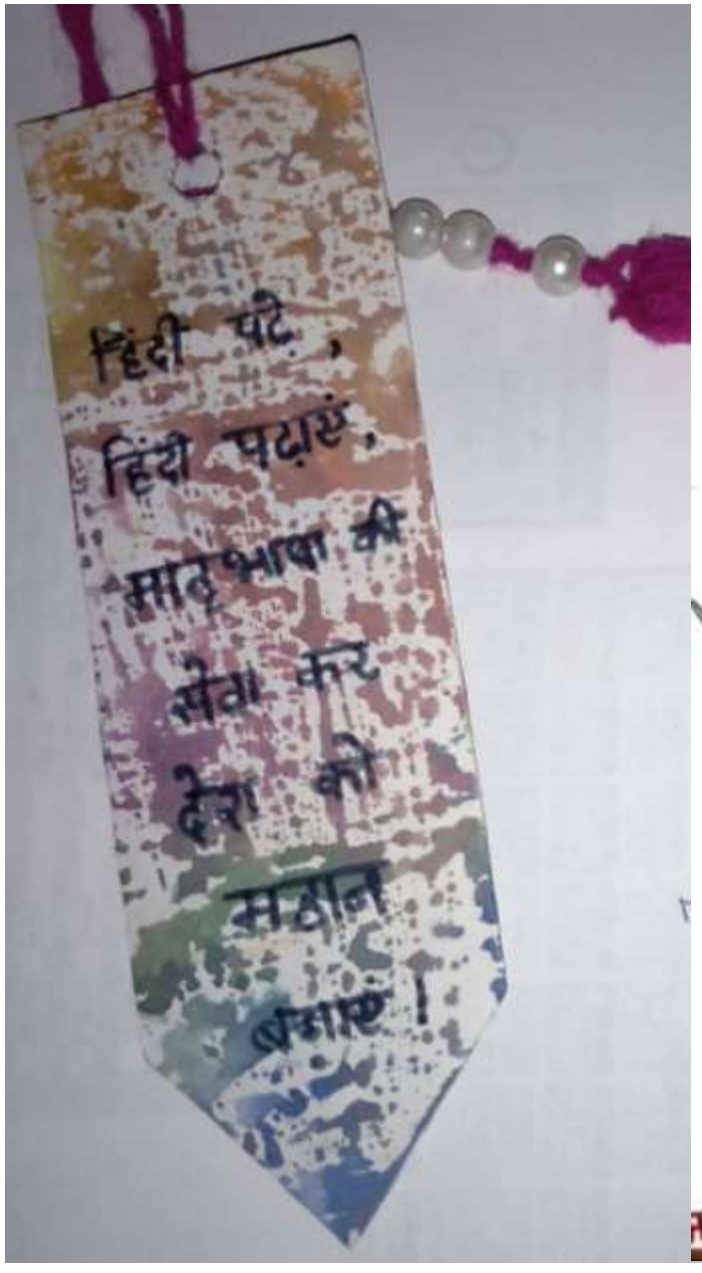

हिंदी पढ़ें,
हिंदी पढ़ाएं,
मातृभाषा की
सेवा कर
देश को
महान
बनाएं।

संत ना छाडैं संतई,
जौ कोटिक मिले असंत
चंदन भुवंगा बैठिया,
तऊ सीतलता न
– मीरा कुमारी, कक्षा - एम.ए. तीसरा सेमेस्टर, अनुक्रमांक - 10618/19

"यूं ही नहीं होती
हाथों की लकीरों
के आगे उँगलियाँ,
खुदा ने भी
किस्मत से पहले
मेहनत लिखी है।"